भारतीय सेना दिवस

भारत में हर साल 15 जनवरी को जवानों और भारतीय सेना की याद में **सेना दिवस** (Army Day) मनाया जाता है।

- इस वर्ष भारत अपना **74वाँ सेना दिवस** मना रहा है।

प्रमुख बिंदु

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**
  - 15 जनवरी, 1949 को, **फील्ड मार्शल कोडंडेरा एम. करियप्पा** (Kodandera Madappa Cariappa), जो उस समय लेफ्टिनेंट जनरल थे, ने जनरल सर फ्रांसिस बुचर (जो उस पद को धारण करने वाले अंतिम ब्रिटिश व्यक्ति) से भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ के रूप में पदभार ग्रहण किया, थे।
  - के. एम. करियप्पा ने **'जय हिंद' का नारा** अपनाया **जिसका अर्थ है 'भारत की जीत'** । वह फील्ड मार्शल की पाँच सितारा रैंक रखने वाले केवल दो भारतीय सेना अधिकारियों में से एक हैं, दूसरे फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ हैं।
- **सेना दिवस:**
  - देश के उन **सैनिकों को सम्मानित करने के लिये प्रत्येक वर्ष सेना दिवस मनाया** जाता है, जिन्होंने निस्वार्थ सेवा और भाईचारे की सबसे बड़ी मिसाल कायम की है तथा जिनके लिये देश-प्रेम सबसे बढ़कर है।
  - सेना दिवस के उपलक्ष्य में साल दिल्ली छावनी के **करियप्पा परेड ग्राउंड में परेड** का आयोजन किया जाता है।
- **भारतीय सेना:**
  - भारतीय सेना की उत्पत्ति ईस्ट इंडिया कंपनी की सेनाओं से हुई, जो बाद में 'ब्रिटिश भारतीय सेना' और अंततः स्वतंत्रता के बाद, भारतीय सेना बन गई।
  - भारतीय सेना की **स्थापना लगभग 126 साल पहले अंग्रेज़ों ने 1 अप्रैल, 1895 को** की थी।
  - भारतीय सेना को विश्व की चौथी सबसे सशक्त/मज़बूत सेना माना जाता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indian-army-day